डिजिटल लिटरेसी बाल ई-पोस्टर

शेखर यादव (स.अ.)
कम्पोजिट विद्यालय रामसारी,
पतारा, कानपुर नगर

उद्देश्य :– वर्तमान समय में डिजिटल लिटरेसी की बढ़ती मांग और अपेक्षाओं की दृष्टिगत परिषदीय विद्यालयों में भी डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया जा रहा है, किन्तु प्राथमिक स्तर पर डिजिटल शिक्षा आधारित पाठ्यक्रम एवं संसाधन के अभाव से ग्रामीण परिवेश से आने वाले बच्चे डिजिटल साक्षर नहीं बन पा रहे हैं जिससे तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े हुए हैं। इसके दृष्टिगत शिक्षक द्वारा आई.सी.टी. के माध्यम से डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण परिवेशीय उदाहरणों को जोड़कर बच्चों के लिए सरल और रोचक डिजिटल लिटरेसी बाल ई–पोस्टर, अभ्यास कार्यपत्रक सहित का निर्माण कर प्रचार–प्रसार किया गया। परिणामस्वरूप न सिर्फ प्राथमिक स्तर के बच्चों बल्कि अभिभावकों एवं शिक्षकों में भी डिजिटल संसाधनों के महत्व को समझने एवं डिजिटल शिक्षा में उनकी रुचि, आत्मविश्वास एवं आई0सी0टी0 के प्रयोग हेतु उत्साह में वृद्धि हुई।

क्रियान्वयनः– यह कार्यक्रम डिजिटल साक्षरता को रोचक और सरल बनाने के लिए स्थानीय उदाहरणों और व्यावहारिक गतिविधियों पर आधारित है। सर्वप्रथम "डिजिटल लिटरेसी बाल ई–पोस्टर" में शामिल डिजिटल पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को अध्ययन कराया जाता है फिर हर अध्याय के बाद ई–अभ्यास कार्यपत्रक के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन किया जाता है। अगले अंक को पढ़ाने से पहले, पिछले अंक की पुनरावृत्ति भी डिजिटल

ई–पोस्टर द्वारा ही कराई जाती है ताकि ज्ञान स्थायी हो सके। प्रत्येक सप्ताह पोस्टर के एक अंक को प्रकाशित किया जाता है जिससे सप्ताह में किसी भी कार्यदिवस पर विद्यार्थियों के साथ साझा किया जा सके। इस कार्यक्रम की पहुँच बढ़ाने एवं सफल क्रियान्वयन के लिए आई0सी0टी0 की पाठशाला प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रदेश के अन्य शिक्षकों को भी साप्ताहिक डिजिटल लिटरेसी बाल ई–पोस्टर प्रेषित किया जाता है। शिक्षकों द्वारा ई–पोस्टर का उपयोग कर विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा दी जाती है और वे अपने अनुभव फोटो एवं वीडियो के रूप में साझा करते है।

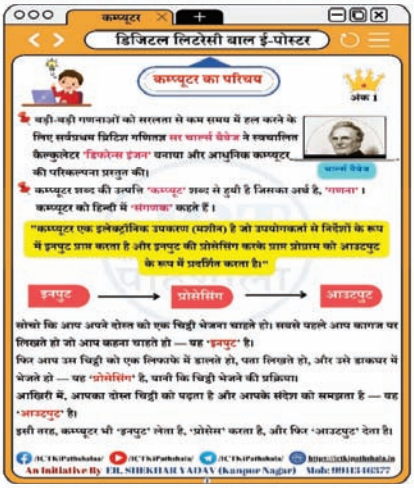

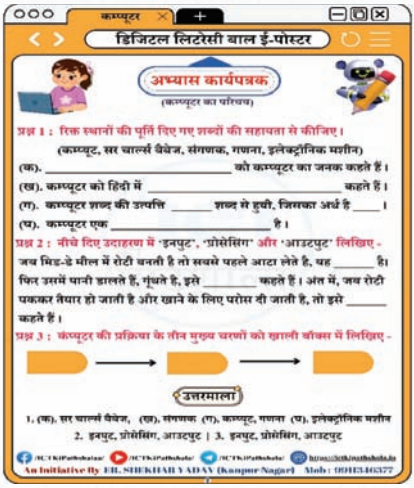

प्रभावः– शिक्षक की इस पहल ने न केवल बच्चों, बल्कि पूरे समुदाय को आज के डिजिटल युग में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित किया। यह प्रयास अन्य शिक्षकों और विद्यालयों के लिए भी एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करता है, जिससे वे डिजिटल शिक्षा के महत्व को समझकर इसे अधिक प्रभावी ढंग से लागू कर सकते हैं। इससे शिक्षकों को भी आई0सी0टी0 का प्रयोग करने हेतु प्रेरणा मिलती है। इस कार्यक्रम से छात्र–छात्राओं में कम्प्यूटर विषय को जानने और पढ़ने की रूचि जागृत हो रही है और वे कक्षा की सभी गतिविधियों में उत्साह के साथ कर प्रतिभाग करने लगे है। 25 से अधिक जनपदों के शिक्षकों ने इसे अपनाया तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में तकनीकी ज्ञान में वृद्धि देखने को मिली।

40 जनपदों के 100 शिक्षकों से कराये गये सर्वे के आधार पर प्रस्तुत आंकडे –